

10¹⁰/₁₉

कमरे पत्रवाली फेराउरी प्राचीण रमा वकील
प्राचीण को भावा लगाई बार-बार अविाद
लगाते के बावजूद न्यायालय हाफि नही अने

जत अविाद 212 पर अरु हाफि अरु
पैली मे अविाद विाद पता है पत्रवाली पैमल
शुभा हावर नम्बर के कम व दाखिल कर ले
करी